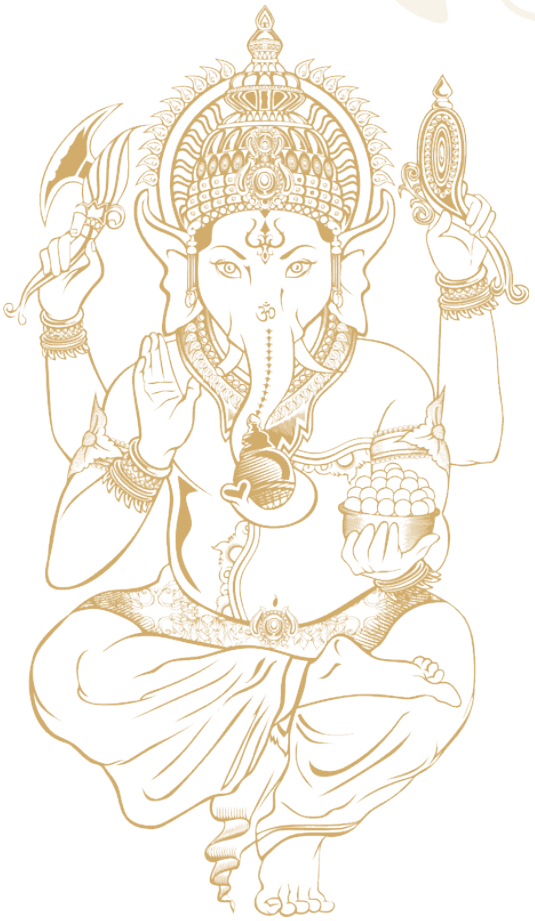

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121656904

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/10/1994	जन्म तिथि	08/02/1994
बुधवार	दिन	मंगलवार
घंटे 11:50:00	जन्म समय	20:00:00 घंटे
घटी 14:58:07	जन्म समय(घटी)	33:24:27 घटी
India	देश	India
Gorakhpur	स्थान	Gorakhpur
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	26:45:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व	रेखांश	83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32	स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:50:45	सूर्योदय	06:38:13
17:38:54	सूर्यास्त	17:43:23
23:47:14	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:46

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 2वर्ष 11मा 13दि	05:43:15	धनु	लग्न	सिंह	26:42:14	सूर्य 3वर्ष 7मा 9दि
गुरु	17:59:59	कन्या	सूर्य	मक	25:49:24	राहु
18/09/2022	19:23:47	कन्या	चंद्र	मक	01:58:36	19/09/2014
18/09/2038	06:33:17	कर्क	मंगल	मक	15:08:20	19/09/2032
गुरु 05/11/2024	11:48:21	तुला	बुध	कुंभ	13:08:00	राहु 01/06/2017
शनि 19/05/2027	22:07:31	तुला	गुरु	तुला	20:15:36	गुरु 26/10/2019
बुध 24/08/2029	23:02:19	तुला	शुक्र	कुंभ	01:13:45	शनि 01/09/2022
केतु 31/07/2030	12:54:31	कुंभ व	शनि	कुंभ	07:28:33	बुध 20/03/2025
शुक्र 31/03/2033	21:19:11	तुला व	राहु व	वृश्चि	05:51:46	केतु 08/04/2026
सूर्य 17/01/2034	21:19:11	मेष व	केतु व	वृष	05:51:46	शुक्र 08/04/2029
चन्द्र 19/05/2035	28:36:19	धनु	हर्ष	मक	00:02:45	सूर्य 02/03/2030
मंगल 24/04/2036	26:47:18	धनु	नेप	धनु	28:06:43	चन्द्र 01/09/2031
राहु 18/09/2038	02:28:45	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	04:09:56	मंगल 19/09/2032

लग्न-चलित

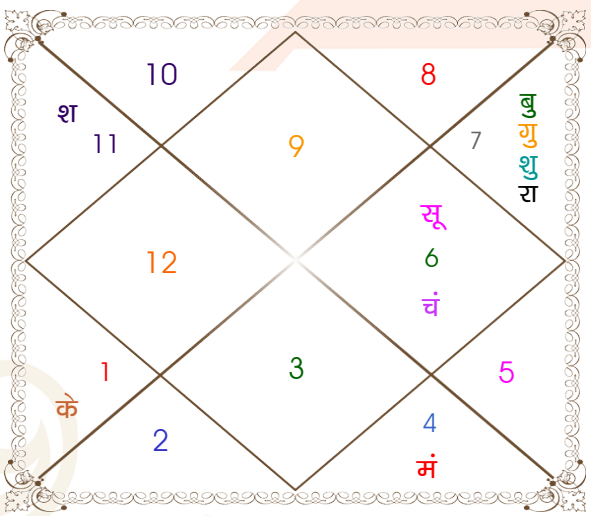

लग्न-चलित

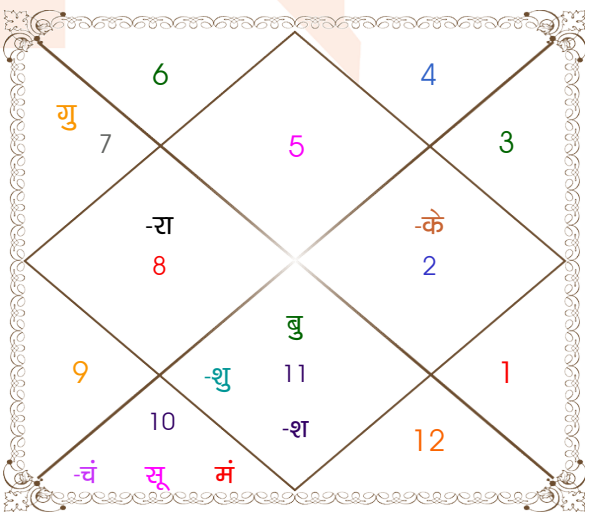

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग श्वान है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।